विद्यालय शिक्षा मे उत्कृष्टता

विद्यालय शिक्षा मे उत्कृष्टता :

किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए विद्यालय शिक्षा महत्त्व की भूमिका प्रदान करती है। यह कोर्ष विद्यालय शिक्षा मे वैविध्यपूर्ण पहेलुओं को जानने एवं समझने के पर्याप्त योगदान प्रदान करेगा।

कोर्ष की विशेषताए :

- विद्यालय का SWOT विश्लेषण करने के लिए
- विद्यालय में छात्रों और अभिभावकों का आत्मविश्वास एवं मनोबल बढ़ाने के लिए
- गुणवत्ता में अंतराल की पहचान करके उसे पूर्ण करने के लिंये
- स्थानीय और वैश्विक मानाकों पर विद्यालय की तुलना करने के लिए
- निरंतर गुणवत्ता में सुधार करके आंतरिक प्रणाली को विकसित करने के लिए
- मानव संसाधन के व्यावसायिक विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए
- बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षण-अभिगम प्रक्रिया, प्रशासन और प्रबंधन में सहायता करना और छात्र संबंधित पहलुओं का समर्थन करने के लिए

अध्यापक वृन्द

प्रो.संजय गुप्ता
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

Education : M.Com, M.Ed. NET, Ph.D. (Ed.)
Mobile : 9377149258
Email : hod.acr@cugujarat.ac.in

डॉ.अश्विन एल. निसरता
एसोसिएट प्रोफेसर

Education : M.A., M.Ed., Ph.D. (Ed.)
Mobile : 9925830324
Email : alnisarta.acr@cugujarat.ac.in

संपर्क सूत्र

चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी
एक्रेडिटेशन विभाग
सुभाषचंद्र बोझ शिक्षा परिसर छ-5,
चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी सर्कल, गांधीनगर-382021
वेबसाइट: www.cugujarat.ac.in

Children's University
Every Child matters
तेजस्वी बालक : तेजस्वी भारत

चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी

गांधीनगर

एक्रेडिटेशन विभाग

तेजस्वी बालक: तेजस्वी भारत

प्रत्येक बालक महत्त्वपूर्ण है

चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी के बारे मे

गुजरात राज्य के गांधीनगर जिले मे चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी की स्थापना सम्पूर्णविश्व के धरातल पर घटित अद्वितीय घटना है। इसे अद्वितिय कहना सर्वथा उचित इसलिए है कि विश्व के अन्य किसी भी विश्वविध्यालय मे जन्म से पूर्व अर्थात गर्भाधान से लेकर अठारह साल तक के युवाओ के विकास को ध्यान मे रखते हुए कार्य नहीं किया गया है। यह युनिवर्सिटी प्रत्येक बालक को केंद्र मे रखकर गर्भाधान संस्कार-प्रक्रिया से ही गहन चिंतन करके श्रेष्ठ संतति का आह्वान एवं अवतरण करने की दिशा मे दंपतियों का मार्ग प्रशस्त करती है। यह युनिवर्सिटी प्रत्येक बच्चे को श्रेष्ठ मनुष्य के रूप मे समाज को समर्पित करने का स्वप्न सँजो रही है।

इस युनिवर्सिटी का मुद्रालेख 'प्रत्येक बालक महत्वपूर्ण है।' यहा बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सांवेगिक एवं आध्यात्मिक विकास को ध्यान मे रखते हुए शिक्षा में दिशानिर्देश करने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। इस युनिवर्सिटी का बृहद उदेश्य "गर्भसंसस्कार" से प्रारम्भ होता है। जिसमे गर्भस्थ शिशु का विकास उच्चतम संस्कारो से करना है। इस प्रकल्प के माध्यम से शिक्षको, परामर्शको, खेलकुद से जुड़े लोगो को भी ज्यादा मदद मिलेगी जिसका उपयोग करके बच्चो का अविरत एवं मानवीय विकास कर सकेंगे।

उक्त उदेशों को सिद्ध करने के लिए युनिवर्सिटी मूलरूप से चार परिरूपों मे क्रियान्वित है जिनमे शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं विस्तरण समाविष्ट है। इस उपलख्यों को परिपूर्ण करने के लिए युनिवर्सिटी मे बहुविध प्रकार के शिक्षा के विषयो को जोड़ा गया है जैसे की शिक्षा, भाषा, तत्वज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजकार्य, तकनीकी, आहार विज्ञान,योग एवं संगीत आदि विभागो मे काम चल रहा है।

विद्यालय एक्रेडिटेशन के बारे मे

बाल विश्वविद्यालय अधिनियम 6(3) के अनुसार, बाल विश्वविद्यालय को गुजरात राज्य के स्कूलों को एक्रेडिट करना हैं

विद्यालय एक्रेडिटेशन में बाल विश्वविद्यालय की भूमिका:

- शिक्षकों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए
- अध्ययन अध्यापन की प्रक्रिया में सुधार करने के लिए
- बुनियादी सुविधाओं में सुधार करने के लिए
- छात्रों के समग्र विकास के लिए मार्गदर्शन देने में
- स्कूल प्रशासन और नेतृत्व को मजबूत करने के लिए
- आंतरिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रणाली स्थापित करने के लिए
- स्थानीय और वैश्विक मानकों के अनुसार स्कूल को सज्ज करने में
- स्कूल एक्रेडिटेशन यह सरकार, समाज, स्कूल, माता-पिता और छात्रों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सामाजिक विज्ञान मे अनुसंधान की पद्धतिया

विशेषताए

- नेट/स्लेट परीक्षा और पीएच.डी./एम.फिल. प्रवेश एवं पाठ्यक्रम शिक्षण में उपयोगी
- शोध अहेवाल लिखने की क्षमता से परिचित कराने के लिए
- उच्च शिक्षा के अनुस्नातक विभागो मे रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए
- नियमित शोधार्थीओ को बढ़ावा देने के लिए
- समाज की समस्याओ के प्रति समझ बढ़ाने के लिए

उच्च शिक्षा मे उत्कृष्टता

यह सर्टिफिकेट कोर्ष शिक्षा के साथ जुड़े हुए सभी लोगो को एक्रेडिटेशन प्रक्रिया के बारे मे परिचित कराता है। जिससे वो स्थानिक एवं वैश्विक स्तर के मानांको से अवगत हो सके।

विशेषताएं:

- निरंतर गुणवत्ता बढाने के लिए आंतरिक तंत्र विकसित करने के लिए
- स्थानीय और वैश्विक संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा बनाये रखने के लिए
- गुणवत्ता अंतराल की पहचान करना और जब भी और जहां भी आवश्यक हो उसे दूर करने के लिए
- छात्रों, अभिभावकों और प्रबंधन का गौरव बढाने के लिए
- हितधारकों की विश्वसनीयता और मनोबल बढ़ाने के लिए
- मानव संसाधन के व्यावसायिक विकास का रास्ता दिखाने के लिए

सर्टिफिकेट कोर्ष

- १.विध्यालय शिक्षा मे उत्कृष्टता
- २.सामाजिक विज्ञान मे अनुसंधान की पद्धतिया
- ३.उच्च शिक्षा मे उत्कृष्टता